Here is an act, an act of the worst kind of criminality *simpliciter* and I would implore of the Home Minister to ask the department to look into it and report to the House as soon as possible.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He said he would get the facts, find out the facts. Let him collect the facts.

AN HON. MEMBER: We are adjourning tomorrow.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If there is no sitting of the House, let him first collect the facts...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): He has to collect information only from one college in Delhi in this particular case. I don't think it takes long. He can get the information today and give us a statement tomorrow.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now I call the next special mention. Shri Som Pal.

MISS SAROJ KHAPARDE (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, I want to say something about eve-teasing..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please wait a minute, Mr. Som Pal. The lady Member has something to say about eve-teasing.

MISS SAROJ KHAPARDE: I agree with the sentiments expressed by the whole House. We are discussing about eve-teasing in colleges. What about the eve-teasing in the House? Mr. A.G. Kulkarni always behaves like that. What about that? We need protection...

THE DEPUTY CHAIRMAN: From ragging in the House!

MISS SAROJ KHAPARDE: Will the honourable Minister give us an assurance?

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cannot make an allegation when the Member is not present.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): This is a case to be sent to the Privileges Committee.

THE DEPUTY CHAIRMAN: About ragging in the House itself!

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I hope you don't make a complaint against the Members.

**Dowry Death of a young girl in village Mohammadpur Mordan Muzaffarnagar District, Uttar Pradesh**

**श्री सोमपाल (उत्तर प्रदेश)** : माननीय उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन का और केन्द्रीय सरकार का ध्यान एक अत्यन्त ही दुखद और हृदय-विदारक घटना की ओर दिलाना चाहता हूं। मेरे गांव की बेटी, एक लड़की, जिसका नाम मंजू था, मुजफ्फरनगर जिले के गांव मोहम्मदपुर मोरडन में उसका विवाह हुआ था। उसकी ससुराल वालों की दहेज की मांग पूरी न होने के कारण 11 जुलाई की रात को उसको जलाकर मार दिया गया। इस घटना के समय उसके पति नरेश, उसकी सास बलबीरी, उसके ससुर सूबेसिंह और उसका एक देवर सुधीर, चारों मौजूद थे। सबने पकड़कर उसके ऊपर मिट्टी का तेल छिड़का और उस युवती को जला दिया।

महोदया, उस लड़की की शादी जून, 1988 में उस गांव में हुई थी और उसके बाद से लगातार उसकी ससुराल वाले दहेज की मांग करते आ रहे थे। दिसम्बर, 1990 को उसने एक पुत्री को जन्म दिया। उस समय वह कुछ बीमार हुई और उसके इलाज के लिए

[श्री सोमपाल]

भी ससुराल वालों ने दस हजार रुपए लड़की के पिता से मांगे। उस बेचारे ने किसी तरह कहीं से लेकर पांच हजार रुपया उनको दे भी दिया। शादी में भी उसने अपनी सामर्थ्य से अधिक उस लड़की को विवाह में दहेज में दिया था, स्कूटर दिया था, टेलिविजन दिया था, काफी पैसा खर्च किया था और वह कर्जमंद हो गया था। उसके बाद उस लड़की को प्राय: उसके ससुराल वाले मारते थे, पीटते थे, प्रताड़ित करते थे इसी बीच में दो बार उसका पिता जब उसका पता लगाने गया तो उसने देखा कि उस लड़की के शरीर पर नीले निशान चोट के पड़े हुए थे और जब पांच हजार रुपया देकर आया उसके पहले भी उसको मारा-पीटा गया था।

अब 11 जुलाई की रात को उसकी हत्या कर दी गई और उसी रात बिना किसी को सूचना दिए उसकी अंत्येष्टि कर दी गई, जबकि प्राय: रिवाज यह है कि यदि रात को मृत्यु हो तो अगले दिन सुबह तक इन्तजार किया जाता है। तो इस मामले का रफादफा करने के लिए रात मे ही उसकी अंत्येष्टि कर दी गई। लड़की के घर वालों को, उसके माता पिता को चार-पांच दिन बाद पता लगा तो वह 18 तारीख को वहां पहुंचे तो गाँव के चार प्रत्यक्षदर्शियों ने इस घटना की सूचना दी। इसके बाद जब थाने में, भौगाँ कलां पुलिस स्टेशन पर रिपोर्ट कराने गए तो पुलिस आफीसर ने उसकी रिपोर्ट लिखने से मना किया। फिर, 19 तारीख को इलाके के कुछ जाने-माने लोगों को लेकर जब पहुंचे तो वह रिपोर्ट दर्ज की गई। इस प्राथमिकी की प्रतिलिपि मेरे पास है और यह सारी घटना 25 जुलाई के "दैनिक-जागरण" के अंक में भी प्रकाशित हुई है।

महोदया, दु:ख की बात है कि रिपोर्ट लिखाने के दिन से आज तक उन अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कुछ नहीं किया और आज तक वे खुले घूम रहे हैं। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश करें कि ऊंचे से ऊंचे स्तर पर इसकी जांच की जाए और उन अपराधियों को पकड़ कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, जिससे इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। धन्यवाद।

**श्री मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी** (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मै इस मामले में अर्ज करता हूं और मांग करता हूं कि सेंट्रल गवर्नमेंट उत्तर प्रदेश सरकार को जांच के आदेश दे। . . . **(व्यवधान)**

**श्रीमती सत्या बहिन** (उत्तर प्रदेश): महोदया, इस तरह की घटनायें बहुत दुखद हैं। इसकी जांच होनी चाहिए और उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिए। **(व्यवधान)**. . .

**डा० अबरार अहमद** (राजस्थान) : महोदया,. . . **(व्यवधान)** . . .

**कुमारी सईदा खातून** (मध्य प्रदेश) महोदया, कब तक इस प्रकार महिलाओं पर अत्याचार चलते रहेंगे। . . .

## Hindustan Fertilizer Corporation's decision to close down its marketing division in Orissa

SHRIMATI MIRA DAS (Orissa): Madam, I would like to draw the attention of the House to a very important decision that the Government of India has taken. It is regarding the decision to close down the Orissa Regional Marketing Division after the closure of the Marketing Division at M.P. It is a matter of great concern to the people of Orissa and specially the farmers of Orissa. Madam, when there was a split in the erstwhile Fertilizer Corporation of India marketing set-up in the Orissa region, the FCI's eastern marketing zone was merged with the HFC marketing division. As per the policy decision of the Government, the management of the manufacturing units of erstwhile FCI, Talcher/re-